निर्मल वर्मा

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» निर्मल वर्मा: जीवन परिचय और साहित्यिक योगदान

प्रश्न 1 (आसान). निर्मल वर्मा का जन्म कहाँ हुआ था?
उत्तर – शिमला, हिमाचल प्रदेश में।

प्रश्न 2 (आसान). उन्होंने किस क्षेत्र में M.A. किया था?
उत्तर – इतिहास में।

प्रश्न 3 (मध्यम). निर्मल वर्मा को किस आंदोलन का महत्वपूर्ण हस्ताक्षर माना जाता है?
उत्तर – नई कहानी आंदोलन का।

प्रश्न 4 (कठिन). निर्मल वर्मा को उनके किस कहानी संग्रह के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला?
उत्तर – उनके कहानी संग्रह 'कव्वे और काला पानी' के लिए।

» निर्मल वर्मा की भाषा-शैली की विशेषताएँ

प्रश्न 5 (आसान). निर्मल वर्मा की भाषा में कौन से शब्द ज़्यादा मिलते हैं - सरल या कठिन?
उत्तर – सरल शब्द

प्रश्न 6 (आसान). निर्मल वर्मा के वाक्यों की बनावट कैसी थी - छोटी और सीधी या लंबी और जटिल?
उत्तर – लंबी और जटिल (मिश्र/संयुक्त)

प्रश्न 7 (मध्यम). निर्मल वर्मा की भाषा में किन विदेशी भाषाओं के शब्द अक्सर मिलते हैं?
उत्तर – उर्दू और अंग्रेज़ी

प्रश्न 8 (कठिन). निर्मल वर्मा की भाषा-शैली की कौन सी विशेषता उनके विचारों को पाठक तक गहराई से पहुँचाने में मदद करती है?
उत्तर – विचारों की गहनता को विविध उदाहरणों से रोचक बनाना।

» 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ का परिचय और मुख्य विषय

प्रश्न 9 (आसान). 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ के लेखक कौन हैं?
उत्तर – निर्मल वर्मा

प्रश्न 10 (आसान). यह पाठ निर्मल वर्मा के किस संग्रह से लिया गया है?
उत्तर – 'धुंध से उठती धुन'

प्रश्न 11 (मध्यम). 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ का मुख्य विषय क्या है? संक्षेप में बताइए।
उत्तर – यह पाठ पर्यावरण-विनाश, अंधाधुंध विकास और उसके कारण होने वाले मानवीय विस्थापन की समस्या पर केंद्रित है।

प्रश्न 12 (कठिन). लेखक ने किस स्थान के उदाहरण से विस्थापन की समस्या को समझाया है?
उत्तर – लेखक ने सिंगरौली के नवागाँव और अमझर गाँव के उदाहरण से विस्थापन की समस्या को समझाया है।

» सिंगरौली: विकास से पहले का चित्रण

प्रश्न 13 (आसान). विकास से पहले सिंगरौली का वातावरण कैसा था?
उत्तर – विकास से पहले सिंगरौली विंध्याचल और कैमूर के पहाड़ों और घने जंगलों से घिरा हुआ था, जहाँ कत्था, महुआ, बाँस और शीशम के पेड़ उगते थे।

प्रश्न 14 (आसान). लेखक के अनुसार, सिंगरौली नाम की उत्पत्ति कैसे हुई?
उत्तर – एक पुरानी दंतकथा के अनुसार, सिंगरौली का नाम 'सृंगावली' पर्वतमाला से निकला है, जो पूर्व-पश्चिम में फैली हुई है।

प्रश्न 15 (मध्यम). सिंगरौली को 'काला पानी' क्यों कहा जाता था, जबकि वह बहुत सुंदर था?
उत्तर – सिंगरौली अपनी अतुलनीय प्राकृतिक सुंदरता के बावजूद 'काला पानी' इसलिए माना जाता था, क्योंकि चारों ओर फैले घने जंगलों के कारण यातायात के साधन इतने सीमित थे कि लोग वहाँ न भीतर आते थे और न बाहर जाने का जोखिम उठाते थे। यह अलगाव उसे काला पानी का रूप देता था।

प्रश्न 16 (कठिन). विकास से पहले के सिंगरौली का चित्रण, लेखक 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ में क्यों कर रहे हैं?
उत्तर – लेखक विकास से पहले के सिंगरौली का चित्रण इसलिए कर रहे हैं ताकि पाठक विकास के नाम पर खोई हुई प्राकृतिक सुंदरता और स्थानीय जीवन के महत्व को समझ सकें। यह चित्रण हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हमने विकास की दौड़ में कुछ अनमोल चीज़ें गंवा दी हैं। यह पाठ के मुख्य विषय 'विस्थापन' और 'पर्यावरण के नुकसान' को और गहराई से समझने में मदद करता है।

» अमझर गाँव और विस्थापन की शुरुआत

प्रश्न 17 (आसान). अमझर गाँव का नाम किस चीज़ से जुड़ा था?
उत्तर – आम के पेड़ों से

प्रश्न 18 (आसान). अमझर गाँव के पेड़ क्यों सूखने लगे थे?
उत्तर – सरकारी घोषणा के कारण कि अमरौली प्रोजेक्ट के तहत गाँव उजाड़े जाएँगे।

प्रश्न 19 (मध्यम). लेखक की यह पंक्ति 'आदमी उजड़ेगा तो पेड़ जीवित रहकर क्या करेंगे?' क्या भाव प्रकट करती है?
उत्तर – यह पंक्ति इंसान और प्रकृति के गहरे भावनात्मक संबंध को प्रकट करती है, कि जब इंसान को उसकी जड़ों से उखाड़ा जाता है, तो प्रकृति भी उससे प्रभावित होती है और मानो अपना जीवन त्याग देती है।

प्रश्न 20 (कठिन). अमझर गाँव की घटना किस बड़ी समस्या का प्रतीक है जिसका वर्णन निर्मल वर्मा ने अपने पाठ में किया है?
उत्तर – अमझर गाँव की घटना अंधाधुंध विकास के नाम पर होने वाले मानवीय विस्थापन, प्राकृतिक परिवेश के विनाश और सांस्कृतिक जड़ों के खत्म होने की बड़ी समस्या का प्रतीक है। यह दिखाता है कि कैसे एक 'प्रोजेक्ट' सिर्फ इंसानों को ही नहीं, बल्कि उनके पूरे जीवन और प्रकृति को भी उजाड़ देता है, जिसकी भरपाई संभव नहीं है।

» विस्थापन के अनुभव: शहरी बनाम ग्रामीण

प्रश्न 21 (आसान). शहरी विस्थापन का एक मुख्य नकारात्मक पहलू क्या है?
उत्तर – शहरी विस्थापन में मजदूरों को गंदी, दम घुटती और भयावह बस्तियों में रहना पड़ता है।

प्रश्न 22 (आसान). लेखक ने किस गाँव को 'स्वच्छ, पवित्र, खुलेपन' वाला बताया है?
उत्तर – लेखक ने अमझर गाँव को 'स्वच्छ, पवित्र, खुलेपन' वाला बताया है।

प्रश्न 23 (मध्यम). अमझर गाँव में 'पेड़ भी मूक सत्याग्रह करते प्रतीत होते हैं' कहने का क्या अर्थ है?
उत्तर – इसका अर्थ है कि जिस तरह अमझर गाँव में पेड़ चुपचाप पानी में डूबे हुए दिखते हैं, उसी तरह वे भी विकास के नाम पर होने वाले अपने विनाश का विरोध कर रहे हैं, भले ही वे बोल न पाएं।

प्रश्न 24 (कठिन). शहरी और ग्रामीण विस्थापन के अनुभवों में क्या समानता और क्या अंतर है?
उत्तर – समानता यह है कि दोनों ही तरह के विस्थापन में लोग अपनी जड़ों से उखड़ते हैं और जीवन की स्थिरता खो देते हैं। अंतर यह है कि शहरी विस्थापन में लोग अक्सर बेहतर जीवन की तलाश में आते हैं पर गंदी बस्तियों में फंस जाते हैं, जबकि ग्रामीण विस्थापन में लोग अपने स्वच्छ और प्राकृतिक परिवेश को खोकर उजड़ जाते हैं, जहाँ प्रकृति भी दुखी दिखती है। शहरी विस्थापन में मुख्यतः मानवीय परिवेश का अभाव होता है, जबकि ग्रामीण विस्थापन में प्राकृतिक परिवेश का विनाश होता है।

» आधुनिक औद्योगिक विकास का सिंगरौली पर प्रभाव

प्रश्न 25 (आसान). सिंगरौली को उसकी कौन सी चीज़ 'अभिशाप' बना देती है?
उत्तर – उसकी अपार खनिज संपदा, खासकर कोयला।

प्रश्न 26 (आसान). सिंगरौली में 'विकास' के नाम पर क्या-क्या बनाया गया?
उत्तर – रिहंद बाँध, कोयले की खदानें और ताप विद्युत गृह।

प्रश्न 27 (मध्यम). लेखक ने सिंगरौली को 'बैकुंठ' और 'काला पानी' क्यों कहा था?
उत्तर – अपने प्राकृतिक सौंदर्य के कारण 'बैकुंठ' और अपने अकेलेपन तथा दुर्गमता के कारण 'काला पानी' कहा था।

प्रश्न 28 (कठिन). लेखक के अनुसार, भारत में औद्योगिक विकास की क्या सबसे बड़ी त्रासदी (ट्रेजेडी) रही है?
उत्तर – पश्चिम की नकल करते समय प्रकृति, मनुष्य और संस्कृति के नाजुक संतुलन को कैसे बचाया जाए, इस पर ध्यान न देना। अपनी शर्तों पर विकास का भारतीय स्वरूप निर्धारित न करना।

» प्रकृति और इतिहास जनित विस्थापन में अंतर

प्रश्न 29 (आसान). सूखे के कारण किसानों का शहर में मज़दूरी के लिए जाना – यह किस प्रकार का विस्थापन है?
उत्तर – प्रकृति जनित विस्थापन (क्योंकि सूखा एक प्राकृतिक आपदा है, और अक्सर लोग वापस लौटते हैं)

प्रश्न 30 (आसान). एक नई सड़क बनाने के लिए कुछ घरों को हटाना पड़ा। यह कौन सा विस्थापन है?
उत्तर – इतिहास जनित विस्थापन (क्योंकि यह 'विकास' के नाम पर हुआ स्थायी बदलाव है)

प्रश्न 31 (मध्यम). सिंगरौली में रिहंद बाँध बनने के कारण हुआ विस्थापन, प्रकृति जनित था या इतिहास जनित? समझाओ।
उत्तर – यह इतिहास जनित विस्थापन था, क्योंकि बाँध का निर्माण मानव निर्मित 'विकास' का कार्य था। इससे हज़ारों गाँव हमेशा के लिए डूब गए और लोग कभी वापस नहीं लौट पाए।

प्रश्न 32 (कठिन). प्रकृति जनित विस्थापन से प्रभावित लोगों और इतिहास जनित विस्थापन से प्रभावित लोगों की समस्याओं में क्या मूलभूत अंतर होता है?
उत्तर – प्रकृति जनित विस्थापन से प्रभावित लोग अपने मूल स्थान और संस्कृति को खोते नहीं हैं, बस कुछ समय के लिए आश्रय ढूंढते हैं। उन्हें वापसी की उम्मीद होती है। जबकि इतिहास जनित विस्थापन से प्रभावित लोग अपना घर, ज़मीन, परिवेश, जीवन शैली और अपनी संस्कृति से स्थायी रूप से कट जाते हैं। उनके लिए कोई वापसी नहीं होती, और उन्हें एक बिल्कुल नए सिरे से जीवन शुरू करना पड़ता है, जो बहुत कठिन होता है।

» स्वतंत्रयोत्तर भारत की 'ट्रेजेडी' और वैकल्पिक विकास मॉडल

प्रश्न 33 (आसान). लेखक ने किस बात को 'ट्रेजेडी' कहा है?
उत्तर – पश्चिमी विकास मॉडल की नकल करने को।

प्रश्न 34 (आसान). किन तीन चीज़ों के संतुलन की बात लेखक करते हैं?
उत्तर – प्रकृति, मनुष्य और संस्कृति।

प्रश्न 35 (मध्यम). भारत को किस तरह का विकास मॉडल अपनाना चाहिए था, लेखक के अनुसार?
उत्तर – अपनी शर्तों और मर्यादाओं पर आधारित, जो भारत की ज़रूरतों के अनुकूल हो, पश्चिमी देशों की नकल न हो।

प्रश्न 36 (कठिन). 'औद्योगीकरण का मार्ग चुनना' ट्रेजेडी क्यों नहीं थी, बल्कि 'नकल करना' ट्रेजेडी क्यों था? स्पष्ट कीजिए।
उत्तर – औद्योगीकरण ज़रूरी हो सकता है विकास के लिए, लेकिन ट्रेजेडी यह थी कि हमने बिना सोचे-समझे पश्चिमी मॉडल की नकल की। हमने अपनी ज़रूरतों और प्रकृति के संतुलन को ध्यान में रखकर अपना 'वैकल्पिक विकास मॉडल' नहीं बनाया। नकल करने से हमारी अपनी पहचान और संतुलन को नुकसान हुआ।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. निर्मल वर्मा के साहित्यिक योगदान और उन्हें मिले एक प्रमुख पुरस्कार का उल्लेख कीजिए।

› पहले हम निर्मल वर्मा जी के साहित्यिक योगदानों की बात करेंगे। उनका मुख्य योगदान 'नई कहानी आंदोलन' में था। उन्होंने कई कहानियां, उपन्यास और यात्रा-संस्मरण लिखे हैं।

› उनकी कहानियों में 'परिंदे', 'जलती झाड़ी' प्रमुख हैं। उपन्यासों में 'वे दिन', 'लाल टीन की छत' बहुत मशहूर हैं। 'चीड़ों पर चाँदनी' उनका यात्रा-संस्मरण है।

› अब पुरस्कार की बात करते हैं। उन्हें उनके कहानी संग्रह 'कव्वे और काला पानी' के लिए सन् 1985 में साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला था।

› तो हम कह सकते हैं कि उन्होंने हिंदी कथा-साहित्य में अपनी एक अलग पहचान बनाई और उन्हें प्रतिष्ठित साहित्य अकादमी पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

उत्तर – निर्मल वर्मा का मुख्य योगदान 'नई कहानी आंदोलन' में रहा। उन्होंने हिंदी कथा-साहित्य, यात्रा-संस्मरण और निबंध लेखन में महत्वपूर्ण कार्य किया। उन्हें 1985 में 'कव्वे और काला पानी' पर साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला।

उदाहरण 2. निर्मल वर्मा की भाषा-शैली की किन्हीं दो प्रमुख विशेषताओं का उदाहरण सहित वर्णन करें।

› पहला, उनकी भाषा में विचारों की गहनता होती थी, जिसे वे बहुत रोचक तरीके से प्रस्तुत करते थे।

› उदाहरण के लिए, जब वे किसी एकाकीपन या अकेलेपन की भावना को व्यक्त करते, तो उसे सिर्फ 'अकेलापन' नहीं कहते, बल्कि उसे किसी पुरानी इमारत, एक ख़ामोश कोने या एक ठंडी सुबह से जोड़कर बताते थे, जिससे पाठक उस भावना को गहराई से महसूस कर पाता था।

› दूसरा, उनके शब्द भले ही सरल होते थे, पर उनकी वाक्य-रचना थोड़ी जटिल होती थी।

› उदाहरण के लिए, वे अक्सर 'मिश्र' या 'संयुक्त' वाक्यों का प्रयोग करते थे। जैसे, 'यह वह घर था, जहाँ मैंने बचपन बिताया था और जिसकी यादें आज भी मेरे मन में बसी हैं।' यहाँ एक ही वाक्य में कई बातें जुड़ी हुई हैं, जिससे बात में ठहराव और गहराई आती है।

› इन दो विशेषताओं से उनकी शैली अद्वितीय बन जाती है।

उत्तर – निर्मल वर्मा की भाषा-शैली विचारों की गहनता और रोचकता के साथ-साथ सरल शब्दों के बावजूद जटिल वाक्य-रचना से युक्त थी। वे अपने विचारों को गहराई से प्रकट करने के लिए विभिन्न उदाहरणों और एक ही वाक्य में कई बातों को जोड़कर प्रस्तुत करते थे।

उदाहरण 3. निर्मल वर्मा का पाठ 'जहाँ कोई वापसी नहीं' किस विषय पर केंद्रित है और यह किस संग्रह से लिया गया है?

› पहला कदम, हम देखेंगे कि पाठ का शीर्षक ही 'जहाँ कोई वापसी नहीं' है, जो विस्थापन की ओर इशारा करता है।

› दूसरा कदम, हम लेखक निर्मल वर्मा के लेखन और उनके विचारों को याद करेंगे, जो अक्सर समाज की गंभीर समस्याओं पर होते हैं।

› तीसरा कदम, हमें याद आएगा कि यह पाठ विशेष रूप से 'अंधाधुंध विकास', 'पर्यावरण-विनाश' और 'मानवीय विस्थापन' की समस्या पर केंद्रित है।

› चौथा कदम, पाठ के परिचय में बताया गया है कि यह 'धुंध से उठती धुन' नामक यात्रा-वृत्तांत संग्रह से लिया गया है।

› तो, इस तरह हमें उत्तर मिलता है।

उत्तर – 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ अंधाधुंध विकास, पर्यावरण-विनाश और उसके कारण होने वाले मानवीय विस्थापन की समस्या पर केंद्रित है। यह पाठ निर्मल वर्मा के यात्रा-वृत्तांत संग्रह 'धुंध से उठती धुन' से लिया गया है।

उदाहरण 4. लेखक ने सिंगरौली को किन दो अलग-अलग नामों से पुकारा है और क्यों?

› लेखक ने सिंगरौली को 'बैकुंठ' और 'काला पानी' इन दो नामों से पुकारा है।

› इसे 'बैकुंठ' इसलिए कहा गया है क्योंकि यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता, घने जंगल, और उर्वर भूमि स्वर्ग के समान थी।

› वहीं, इसे 'काला पानी' इसलिए कहा गया क्योंकि यहाँ यातायात के साधन बहुत सीमित थे, दूर-दराज का इलाका था, और लोग यहां आने या बाहर जाने से डरते थे, मानो कोई सज़ा काटकर लौटा हो।

उत्तर – सिंगरौली को उसकी प्राकृतिक सुंदरता के कारण 'बैकुंठ' और सीमित सुविधाओं व अलगाव के कारण 'काला पानी' कहा गया है।

उदाहरण 5. लेखक ने अमझर गाँव के पेड़ों के सूखने के पीछे क्या कारण बताया है और यह किस बड़ी समस्या की ओर इशारा करता है?

› सबसे पहले, हमें यह समझना होगा कि अमझर गाँव का नाम उसके आम के पेड़ों से जुड़ा था, जो वहाँ खूब फलते-फूलते थे।

› दूसरा, लेखक ने बताया कि जब सरकारी घोषणा हुई कि अमरौली प्रोजेक्ट के तहत नवागाँव के कई गाँवों को उजाड़ दिया जाएगा, तब से आम के पेड़ सूखने लगे।

› तीसरा, लेखक ने एक बहुत ही मार्मिक बात कही: 'आदमी उजड़ेगा तो पेड़ जीवित रहकर क्या करेंगे?' यह दिखाता है कि इंसान और प्रकृति का संबंध कितना गहरा है।

› यह घटना केवल पेड़ों के सूखने की नहीं, बल्कि विकास परियोजनाओं के कारण होने वाले मानवीय विस्थापन और उससे जुड़े प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक नुकसान की शुरुआत की ओर इशारा करती है। यह बताता है कि कैसे एक जगह के लोग अपनी पहचान, संस्कृति और प्रकृति से कट जाते हैं।

उत्तर – लेखक ने पेड़ों के सूखने का कारण अमरौली प्रोजेक्ट के तहत गाँवों के उजाड़े जाने की सरकारी घोषणा को बताया है। यह घटना मानवीय विस्थापन और प्राकृतिक-सांस्कृतिक परिवेश के विनाश की बड़ी समस्या की ओर इशारा करती है।

उदाहरण 6. निर्मल वर्मा जी ने शहरी और ग्रामीण विस्थापन के अनुभवों में क्या अंतर बताया है?

› पहला अंतर यह है कि लेखक ने शहरों में मजदूरों की 'गंदी, दम घुटती, भयावह बस्तियाँ' देखीं, जहाँ जीवन बहुत कठिन था।

› दूसरा, उन्होंने अमझर जैसे ग्रामीण परिवेश का वर्णन किया जो 'स्वच्छ, पवित्र, खुलेपन' से भरा था, जहाँ प्राकृतिक सौंदर्य था।

› लेखक कहते हैं कि शहरों में लोग अनाथ और उन्मूलित (जड़ से उखड़े हुए) जीवन जीते हैं, जबकि अमझर में पेड़ भी मानो 'मूक सत्याग्रह' कर रहे थे, जो बताता है कि प्रकृति भी इस विस्थापन से दुखी है।

› शहरी विस्थापन अक्सर सुविधाओं की कमी और प्रदूषण से जुड़ा होता है, जबकि ग्रामीण विस्थापन सुंदर परिवेश के विनाश का दर्द दिखाता है।

उत्तर – लेखक ने शहरी विस्थापन को गंदी, घुटन भरी और भयावह बस्तियों से जोड़ा है, जहाँ मजदूर अनाथों सा जीवन जीते हैं। वहीं, ग्रामीण विस्थापन को उन्होंने अमझर जैसे स्वच्छ, सुंदर और प्राकृतिक परिवेश के विनाश के रूप में देखा है, जहाँ पेड़ भी मूक सत्याग्रह करते प्रतीत होते हैं, यह दर्शाते हुए कि प्रकृति को भी नुकसान हो रहा है।

उदाहरण 7. सिंगरौली में आधुनिक औद्योगिक विकास के क्या प्रमुख कारण थे और इसके परिणामस्वरूप क्षेत्र पर क्या प्रभाव पड़ा?

› पहला कारण था सिंगरौली की अपार खनिज संपदा, खासकर कोयला।

› दूसरा कारण था बिजली उत्पादन की ज़रूरत, जिसके लिए कोयले का उपयोग कर ताप विद्युत गृह बनाए गए।

› तीसरा, सिंचाई और अन्य ज़रूरतों के लिए रिहंद बाँध का निर्माण।

› इन परियोजनाओं के कारण हज़ारों गाँव उजाड़ दिए गए, लोगों को विस्थापित होना पड़ा।

› पूरा प्राकृतिक परिवेश, जंगल, नदियाँ नष्ट हो गईं। 'विकास' के नाम पर बड़े पैमाने पर विनाश हुआ।

उत्तर – सिंगरौली की खनिज संपदा और ऊर्जा की ज़रूरतों ने आधुनिक औद्योगिक विकास को जन्म दिया, जिसके परिणामस्वरूप रिहंद बाँध, कोयला खदानों और ताप विद्युत गृहों का निर्माण हुआ। इसका प्रभाव विनाशकारी रहा, जहाँ हज़ारों लोग विस्थापित हुए और प्राकृतिक पर्यावरण को भारी क्षति पहुँची।

उदाहरण 8. हमें विस्थापन के दो मुख्य प्रकारों को समझना है: पहला वह जो प्राकृतिक आपदाओं से होता है, और दूसरा वह जो बड़े विकास कार्यों के कारण होता है। इनके बीच के मुख्य अंतरों को स्पष्ट करें।

› पहला, हम प्रकृति जनित विस्थापन को देखेंगे। जब भी कोई प्राकृतिक आपदा आती है, जैसे बाढ़ या भूकंप, तो लोग अपना घर छोड़ देते हैं, ठीक है?

› अब, सोचो। क्या बाढ़ का पानी उतरने के बाद या भूकंप के झटके रुकने के बाद लोग वापस अपने घर नहीं आते? ज़रूर आते हैं! हाँ, घर ठीक करना पड़ता है, लेकिन लोग वापस उसी जगह लौटते हैं। तो यह कैसा विस्थापन हुआ? अस्थायी, यानी कुछ समय के लिए।

› दूसरा, अब बात करते हैं इतिहास जनित विस्थापन की। इतिहास जनित विस्थापन का मतलब है, जब बड़े-बड़े कारखाने, बिजली घर, या जैसे सिंगरौली में बाँध बने। तब लोगों को अपनी ज़मीनें, अपने घर छोड़ने पड़े।

› क्या ये लोग कभी वापस अपनी उस पुरानी ज़मीन पर लौट पाए जहाँ उनका गाँव था? नहीं! क्योंकि अब वहाँ नदी पर बाँध बन गया है या कोयले की खदान है। तो यह विस्थापन कैसा हुआ? स्थायी, यानी हमेशा के लिए।

› मुख्य अंतर यही है कि प्रकृति के कारण हुआ विस्थापन अक्सर अस्थायी होता है और लोग वापस आ सकते हैं, जबकि औद्योगीकरण जैसे मानवीय इतिहास के फैसलों के कारण हुआ विस्थापन स्थायी होता है, जहाँ लोग कभी वापस नहीं लौट पाते और उनकी पूरी दुनिया बदल जाती है।

उत्तर – प्रकृति जनित विस्थापन (बाढ़, भूकंप) अस्थायी होता है, जहाँ लोग आपदा टलने पर वापस लौट आते हैं। इतिहास जनित विस्थापन (औद्योगीकरण, बांध) स्थायी होता है, जहाँ लोग अपने मूल स्थान पर कभी वापस नहीं लौट पाते।

उदाहरण 9. लेखक के अनुसार, स्वतंत्रयोत्तर भारत की 'ट्रेजेडी' क्या थी और क्यों?

› पहले समझेंगे 'स्वतंत्रयोत्तर' का मतलब: यानी आज़ादी के बाद का भारत।

› फिर 'ट्रेजेडी' का अर्थ समझेंगे: एक दुखद घटना या गंभीर भूल।

› अब लेखक का विचार देखेंगे: उन्होंने कहा कि हमने पश्चिमी देशों के औद्योगीकरण मॉडल की 'नकल' की।

› यह समझेंगे कि इस नकल में क्या छूटा: हमने प्रकृति, मनुष्य और संस्कृति के बीच के नाजुक संतुलन को बचाना नहीं सोचा।

› अंतिम निष्कर्ष: भारत की ट्रेजेडी यह थी कि हमने अपना, भारतीय विकास मॉडल खोजने के बजाय पश्चिमी मॉडल को बिना सोचे-समझे अपनाया, जिससे प्राकृतिक और सांस्कृतिक संतुलन बिगड़ा।

उत्तर – लेखक के अनुसार, स्वतंत्रयोत्तर भारत की सबसे बड़ी 'ट्रेजेडी' यह थी कि आज़ादी के बाद हमारे शासकों ने विकास के लिए पश्चिमी औद्योगीकरण मॉडल की नकल की और इस प्रक्रिया में प्रकृति, मनुष्य व संस्कृति के नाजुक संतुलन को बनाए रखने पर ध्यान नहीं दिया। वे एक वैकल्पिक भारतीय विकास मॉडल सोचने में विफल रहे, जिससे देश को बड़ी कीमत चुकानी पड़ी।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• निर्मल वर्मा के जन्म स्थान, शिक्षा और 'नई कहानी' आंदोलन में उनके योगदान पर प्रश्न अक्सर आते हैं। उनके किसी एक प्रमुख रचना और पुरस्कार को भी याद रखना बहुत ज़रूरी है।

• निर्मल वर्मा की भाषा-शैली पर अक्सर 4-5 नंबर का प्रश्न आता है। उनकी शैली की 3-4 विशेषताओं को याद करके उनके उदाहरण तैयार रखना बहुत ज़रूरी है।

• इस पाठ का 'मुख्य विषय' बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इसे विस्तार से समझने की कोशिश करो और उदाहरणों के साथ लिखने का अभ्यास करो।

• यह प्रश्न बोर्ड परीक्षा में अक्सर 'विस्थापन के विभिन्न आयामों' या 'प्रकृति और मनुष्य के संबंध' के संदर्भ में पूछा जाता है। अमझर गाँव और शहरी बस्तियों के वर्णन को उदाहरण के तौर पर जरूर लिखें।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। 'विकास' और 'विस्थापन' के बीच के संबंध, तथा इसके सामाजिक व पर्यावरणीय प्रभावों पर आधारित प्रश्न अक्सर पूछे जाते हैं। लेखक की चिंता को ध्यान में रखकर उत्तर लिखें।

एक नज़र में रिवीज़न

› निर्मल वर्मा: नई कहानी, शिमला में जन्म, साहित्य अकादमी पुरस्कार।

› निर्मल वर्मा: सरल शब्द, गहन विचार, मिश्र/संयुक्त वाक्य, उर्दू-अंग्रेज़ी का सहज प्रयोग।

› अंधाधुंध विकास से पर्यावरण-विनाश और मानवीय विस्थापन पर केंद्रित निर्मल वर्मा का पाठ।

› शहरी विस्थापन: गंदी बस्ती; ग्रामीण विस्थापन: प्राकृतिक परिवेश का नाश, मूक सत्याग्रह।

› सिंगरौली: खनिज संपदा (कोयला) = अभिशाप; औद्योगिक विकास = विस्थापन + पर्यावरणीय विनाश।